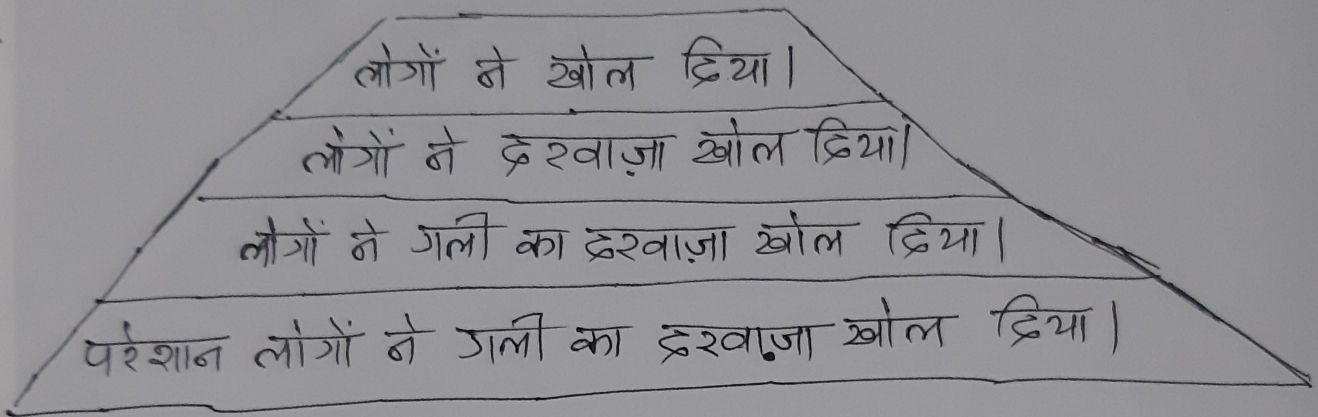


1. (ग) लघु
2. (ग) ज्योति
4. (ग) गली में कोई कुआँ नहीं था।
5. (घ) घरों के खाने-पीने का सामान समाप्त हुआ।
- 6.



8. (ग) वह
9. पक्षी बिना मेहनत किए भोजन पाने के लिए गाड़ीवाले को अपना पंख टूटकर टुकड़ों में खरीदकर खाता है। भविष्य के बारे में बिना सोचे-समझे वह प्रलोभन में फँसकर अपना अस्तित्व खो देता है। हवा में उड़ने और अपने शरीर का संतुलन साधने में पक्षी को पंखों की जरूरत है। इसलिए तात्कालिक लाभ के लिए अस्तित्व खो देने वाला आलसी पक्षी जरूर मूर्ख है।
11. (ग) वास्तव में
12. (ख) विशेषण
13. (ग) औरत कपड़ा धोती है।
14. भारत में रहते अधिकांश लोग गरीब हैं। वे बिना ओढ़े-पहने रहते हैं। राँसे में हमें फिजूल खर्चों और दिखावा नहीं करना चाहिए। श्रद्धा का महत्व अपनाना चाहिए। अमीर लोग अनावश्यक खर्च को रोककर उन पैसें ज़िंदगी की मदद करने के लिए इस्तेमाल करना उचित रहेगा।

15. (ख) पोस्टमैन नंगे पैर चलता था।

16. बच्ची कमरे में शोएगी।

17. पोस्टमैन बिना चप्पल चलते देखकर बेबी ने उसे नए जूते बनवाकर दिए। इसके बदले बेबी की अभाव की पूर्ति करने में पोस्टमैन असमर्थ है। बेबी की द्रवनीय हालत से तसकर पोस्टमैन दूसरे स्थान जाना चाहता है।

19. (ग) आग्रह

20. जब तक साँसों में स्पंदन है
उसका हाथ नहीं रुकता है

21. • सातों आग्रह पाह कर डाले - कठिनाइयों से गुज़रकर आगे चले।

• नहीं रुकता है - चलता रहता है।

• साँसों में स्पंदन है - जीवित रहता है।

• कब थकता है - कमजोर नहीं होता है।